सोने के भाव में तेजी, चांदी की कीमत में भी उछाल, सोना 86,500 रुपए, चांदी भी लगभग 97,000 रुपए

नई दिल्ली

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार को तेजी देखी जा रही है। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ के साथ कारोबार कर रहे हैं। इस समय सोने के वायदा भाव 86,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 510 रुपये की तेजी के साथ 86,420 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 578 रुपये की तेजी के साथ 86,488 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इस समय इसने 86,488 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 86,411 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इसी महीने 86,592 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 391 रुपये की तेजी के साथ 96,797 रुपये पर खुला। इस समय यह 631 रुपये की तेजी के साथ 97,037 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,194 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,797 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 2,949.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,936.10 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि इस समय यह 21.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,957.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.15 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.04 डॉलर था। इस समय यह 0.24 डॉलर की तेजी के साथ 33.28 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज ब्रीफ

सेबी ने म्युचुअल फंड के नियमों में सुधार किया, एनएफओ में जुटाई गई रकम का निवेश करना होगा

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हलचल मच गई है जब भारतीय मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्युचुअल फंड के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नए नियमों के अनुसार, अब एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में आई रकम को तय समय सीमा में निवेश करना होगा। इसके अलावा सेबी ने म्युचुअल फंड स्कीम्स के लिए स्ट्रेस टेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया है ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिरता को बेहतर समझने में मदद मिले। नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे और इनका मकसद म्युचुअल फंड्स के ऑपरेशन को ज्यादा फ्लेक्सिबल और जवाबदेह बनाना है। अप्रैल की पहली तारीख से लागू होने वाले निए नियमों के अनुसार एएमसीएस को न्यू फंड ऑफर से आई रकम को 30 दिनों के अंदर निवेश करना होगा। इससे निवेशकों को भी लाभ होगा क्योंकि अब वे बिना किसी एग्जिट लोड के अपना पैसा निकाल सकेंगे। इस नए नियम का उद्देश्य एएमसीएस को जरूरत से ज्यादा फंड न जुटाने और स्ट्रेस टेस्टिंग के जरिए निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिरता को समझने में मदद मिले।

बुलेट और क्लासिक 350 ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की बुलेट और क्लासिक 350 ने भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। अब होंडा ने अपनी नई बाइक, होंडा सीबी 350, के जरिए रॉयल एनफील्ड को चुनौती देने के लिए कदम बढ़ाया है। होंडा ने इस बाइक में कई एडवांस फीचर्स भी दिए हैं, जैसे ब्लूटूथ सपोर्ट के साथ होंडा स्मार्टफोन वॉयस कंट्रोल सिस्टम, ड्यूल-चैनल एबीएस, 18-इंच व्हील्स, और एलईडी लाइटिंग। बाइक का सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंटेशन और डबल लेयर एग्जॉस्ट इसे और भी बेहतर बनाते हैं। होंडा सीबी350 को दो वेरिएंट्स में लॉन्च किया गया है: डिलक्स और डिलक्स प्रो। इनकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1,99,900 और रुपए 2,17,800 रुपये है। रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के मुकाबले, जो रुपए 1.93 लाख रुपये से शुरू होती है, होंडा ने इस बाइक को बेहतर कीमत में पेश किया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि होंडा की यह बाइक रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के मुकाबले कैसे प्रदर्शन करती है। यह बाइक न केवल अपने शानदार लुक और डिजाइन के लिए जानी जा रही है, बल्कि इसमें दमदार 350 सीसी इंजन भी दिया गया है, जो इसे क्लासिक बाइक प्रेमियों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है। होंडा सीबी 350 में 348.36सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 20.8 बीएचपी की पावर और 29.4 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ स्लिपर और असिस्ट क्लच की सुविधा भी दी गई है। इसके अलावा, बाइक का साइलेंसर नोट रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 जैसी आवाज देने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह और भी आकर्षक बनती है।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने पायलटों के लिए लॉन्च किया 'इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस'

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित उड़ान भवन में पायलटों के लिए इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस (ईपीएल) लॉन्च किया। इसके साथ ही भारत चालक दल के सदस्यों के लिए ईपीएल लागू करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। चीन पहले ही ऐसी सुविधा लागू कर चुका है। इस अवसर पर के. राममोहन नायडू ने कहा कि भारत पायलट लाइसेंस को डिजिटल बनाने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। अब हमारे पायलट वैश्विक एजेंसियों के लिए सहज वास्तविक समय सत्यापन के साथ ईजीसीए ऐप के माध्यम से किसी भी समय अपने लाइसेंस को सुरक्षित रूप से एक्सेस कर सकते हैं। यह भारतीय विमानन के लिए एक बड़ा बदलाव है। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस (ईपीएल) का कार्यान्वयन सरकार की व्यापार सुगमता और डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप है।

प्योर ईवी और जियो थिंग्स के मध्य हुआ समझौता

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता प्योर ईवी कंपनी ने अपने वाहनों में स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर और टेलीमैटिक्स को एकीकृत करने के लिए जियो थिंग्स लिमिटेड के साथ एक समझौता किया हैं। इस समझौते के तहत प्योर ईवी अपने इलेक्ट्रिक वाहनों में जियो थिंग्स के स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर्स का उपयोग करेगा, जो एंड-टू-एंड आईओटी समाधान प्रदान करेंगे, जिससे उनके वाहनों की कार्यक्षमता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाया जा सकेगा। जियो थिंग्स द्वारा प्रदान की जाने वाली 4जी कनेक्टिविटी और टेलीमैटिक्स की मदद से ग्राहक अपने वाहन के प्रदर्शन की वास्तविक समय में निगरानी कर सकेंगे और संचालन को और अधिक कुशल बना सकेंगे।

इसके अलावा, जियोथिंग्स स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर में फुल एचडी प्लस टचस्क्रीन डिस्प्ले कम्पैटिबिलिटी, रीयल-टाइम डेटा एनालिटिक्स और कस्टमाइज्ड टू-व्हीलर इंटरफेस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह समाधान वाहन निर्माताओं को अपने उत्पादों में आईओटी तकनीकों के एकीकरण में मदद करेगा, जिससे वे उन्नत डिजिटल अनुभव प्रदान कर सकेंगे। प्योर ईवी के संस्थापक और एमडी डॉ. निशांत डोंगरी ने कहा, यह साझेदारी हमारे उत्पादों को उच्चतम मानकों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। हमारा लक्ष्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में दक्षता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाना है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के अध्यक्ष आशीष लोढ़ा ने इस साझेदारी को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर क्षेत्र के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इस साझेदारी से ग्राहकों को बेहतरीन कनेक्टिविटी और कार्यक्षमता का अनुभव मिलेगा। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाना है, जिसमें उन्नत आईओटी समाधान, निर्बाध कनेक्टिविटी और डिजिटल एकीकरण का लाभ उठाया जाएगा।

मारुति सुजुकी 7 सीटर लेआउट वाली ग्रैंड विटारा का बड़ा वर्जन लाएगी

नई दिल्ली। हाल ही में कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी 7 सीटर लेआउट वाली ग्रैंड विटारा का बड़ा वर्जन भारत में लाने वाली है। हाल ही में, मारुति की 7 सीटर एसयूवी को टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया, जिसका कोडनेम वाय 17 रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नई एसयूवी में 1.5 लीटर की क्षमता वाला नैचुरल एस्पिरेटिड माइल्ड हाइब्रिड इंजन होगा, जो 103 पीएस की पावर और 136.8 न्यूटन मीटर का टॉर्क जनरेट करेगा। इसके अलावा, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन का विकल्प भी मिलेगा, जो 115 पीएस की पावर और 141 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करेगा। मारुति ने इस नई एसयूवी के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस एसयूवी को इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला महिंद्रा स्कॉर्पियो, एमजी हेक्टर, टाटा सफारी और हुंडई अल्कजार जैसी एसयूवी से होगा। ग्रैंड विटारा के आईसीई इंजन वाले मॉडल को भारतीय बाजार में शानदार रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी अब इस कार का इलेक्ट्रिक वर्जन भी लाने वाली है, जो मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार होगी। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एंट्री के बाद मारुति सुजुकी अन्य कंपनियों के लिए नई चुनौती पेश करेगी। बता दें कि मारुति सुजुकी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी, मारुति सुजुकी ई-विटारा को पेश किया था। इस कार को भारत मोबिलिटी ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 से पहले मध्य प्रदेश में 1,500 करोड़ की ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट निवेश की घोषणा

इन्दौर

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के नजदीक आने के साथ ही मध्य प्रदेश प्रमुख निवेशों के कगार पर खड़ा है, जो इसे सतत विकास और ग्रीन ऊर्जा नवाचार के क्षेत्र में एक नेता के रूप में स्थापित करेंगे। अब तक की सबसे महत्वपूर्ण घोषणाओं में से एक एब्सोल्यूट ग्राम्या प्राइवेट लिमिटेड से आई है, जिसने राज्य में एक अत्याधुनिक ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना का खुलासा किया है, जो एक स्वच्छ, हरे-भरे भविष्य की ओर महत्वपूर्ण कदम है। एब्सोल्यूट ग्राम्या प्राइवेट लिमिटेड, जो सतत आर्थिक विकास और ग्रामीण सशक्तिकरण में अग्रणी है, ने मध्य प्रदेश में अत्याधुनिक ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं का खुलासा किया है।

1,500 करोड़ के निवेश के साथ, यह परिवर्तनकारी परियोजना एक प्रसिद्ध जर्मन-आधारित संगठन के साथ मिलकर लागू की जाएगी, जो भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

भारत, जो अपनी नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित कर चुका है, ने ऊर्जा मिश्रण में ग्रीन हाइड्रोजन के महत्व को पहचाना है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य भारत को हाइड्रोजन उत्पादन का वैश्विक हब बनाना है, और एब्सोल्यूट ग्राम्या जैसी परियोजनाएं इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट न केवल मध्य प्रदेश की स्थिति को ग्रीन ऊर्जा नवाचार में एक नेता के रूप में मजबूत करेगा, बल्कि इसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण होगा। इस परियोजना से 200 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है, लगभग 1,000 आत्म-रोजगार के अवसर सृजित होंगे और 500 अतिरिक्त नौकरियों का अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन किया जाएगा।

अप्रिलिया टूनो 457 स्पोर्ट्स बाइक लॉन्च

स्पोर्ट्स बाइक अप्रिलिया टूनो 457 भारत में लॉन्च हो चुकी है। इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 3.95 लाख रुपये रखी गई है। इस बाइक में बाइ-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर का ऑप्शन भी है, जो राइडिंग एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाता है। टूनो 457 का डिजाइन आरएस 457 से थोड़ा अलग है, इसमें एक नई छोटी एलईडी हेडलाइट है जिसमें दो शार्प डे-टाइम रनिंग लाइट्स दी गई हैं। फ्यूल टैंक की क्षमता भी थोड़ी कम है, टूनो में 12.7 लीटर का टैंक दिया गया है, जबकि आरएस 457 में 13 लीटर का टैंक है। इसके बावजूद दोनों बाइक्स का वजन समान, यानी 175 किलोग्राम है। टूनो 457 में छोटी गियरिंग भी दी गई है, जो इसे और भी स्पोर्टी बनाती है। बाइक की बुकिंग शुरू हो गई है, और इसकी डिलीवरी मार्च तक शुरू होने की संभावना है। इस बाइक की कीमत 3.95 लाख रुपये है, जो आरएस 457 से 25,000 रुपये सस्ती है। इसकी टक्कर यामाहा एमटी-03 और केटीएम 390 ड्यूक जैसी बाइक्स से होगी।

भारत और कतर के बीच व्यापार समझौते में सावधानी की जरुरत : जीटीआरआई

नई दिल्ली

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने भारत और कतर के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ध्यान दिलाते हुए कहा है कि पेट्रोरसायन क्षेत्र में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी ने जारी संयुक्त बयान के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) में प्रवेश करने के लिए तैयारी दिखाई है।

इसमें उन्होंने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का मकसद रखा है। जीटीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि भारत को पेट्रोरसायन और ऊर्जा आयात पर शुल्क रियायतों के संरक्षण का ध्यान देना चाहिए ताकि देश के घरेलू उद्योगों को कोई नुकसान ना हो। उन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी और व्यापार समझौते के प्राथद्वकितक शर्तों के मूल्यांकन की मांग की।

इस संदर्भ में, भारत के व्यापार संरचना को ध्यान में रखते हुए एक सावधानीपूर्वक मूल्यांकन की आवश्यकता है। वित्त वर्ष 2023-24 में कतर से भारत का आयात 12.34 अरब डॉलर था, जिसे इसके निर्यात के साथ संतुलित करने की आवश्यकता है।

सीईपीए के माध्यम से दोनों देशों के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता स्थापित करने का उद्देश्य है जो दोनों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करेगा। यह एक सकारात्मक कदम है जो व्यापार और आर्थिक उद्धारण में मदद करेगा।

भारतीय स्टार्टअप्स के लिए यूनिकॉर्न बनने की अवधि फिर बढ़ी

नई दिल्ली

देश में अनेक कंपनियों ने 1 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का जादुई आंकड़ा पार कर यूनिकॉर्न बनने का तमगा हासिल किया है। लेकिन शुरुआत में इस उपलब्धि को पाने के लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ा। वर्ष 2019 तक जो कंपनियां यूनिकॉर्न बनीं, उन्हें यहां तक पहुंचने में औसतन 10 वर्ष लग गए लेकिन केवल चार साल बाद 2023 में यह आंकड़ा पार करने में औसत अवधि पांच वर्ष ही रही। एक शोध एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वेंचर कैपिटल (वीसी) और प्राइवेट इक्विटी (पीई) ने लाभप्रदता की ज्यादा चिंता किए बिना अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए इन कंपनियों पर जमकर नकदी का निवेश किया। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हो जाती। पिछले कुछ वर्षों से जैसे-जैसे इन वीसी और पीई ने निवेश से हाथ खींचना शुरू किया तो स्टार्टअप का यूनिकॉर्न बनने का इंतजार भी लंबा होता गया और 2024 में यूनिकॉर्न का दर्जा पाने का औसत समय बढ़कर पुन: साढ़े नौ वर्ष हो गया और यह अवधि 2019 के स्तर पर पहुंच गई। एक अध्ययन के अनुसार अमेरिका में स्थिति इसके बिल्कुल उलट सामने आई जहां 2014 के बाद किसी स्टार्टअप को यूनिकॉर्न बनने में 3.4 वर्ष का समय लगा। इससे पहले वहां छोटी कंपनियों को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 6.6 वर्ष लग जाते थे। वैसे स्टार्टअप की दुनिया एक शोध का विषय रहा है।

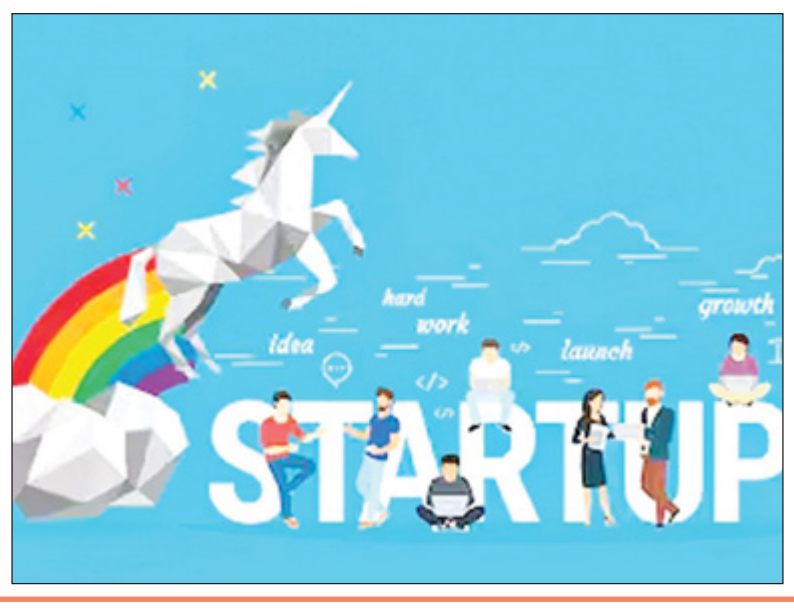

स्टार्टअप के विकास के लिए 2021 का साल सबसे बेहतरीन रहा जब कॉइनडीसीएक्स, क्रेड, जेटविर्क, भारतपे और मोबाइल प्रीमियर लीग जैसे बड़े ब्रांड तीन वर्ष के अंदर ही यूनिकॉर्न बन गए। लेकिन सभी स्टार्टअप को एक जैसी तरक्की का रास्ता नहीं मिला। कुछ ऐसे भी रहे, जिन्होंने यूनिकॉर्न जैसा मील का पत्थर छूने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ा।

ट्रंप नहीं चाहते भारत में टेस्ला अपनी फैक्ट्री लगाए, टेस्ला के ग्राहकों पर हो सकता है असर

नई दिल्ली। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ टैरिफ के मुद्दे पर फिर एक बयान दिया है। ट्रंप ने एक टीवी शो में एलन मस्क के साथ साझा किया कि उन्हें लगता है कि भारत में इंपोर्ट ड्यूटी बेहद उच्च है और इससे वहां उनके कारों की बिक्री पर असर पड़ता है। ट्रंप ने कहा, वे (भारत वाले) इसका उदाहरण है, मुझे नहीं पता ये सच है या नहीं लेकिन यहां (भारत में) इंपोर्ट ड्यूटी शायद 100 फीसदी है इस पर मस्क ने स्वीकार किया। ट्रंप ने और भी कहा कि अब अगर वे भारत में फैक्ट्री लगाते हैं तो ठीक है लेकिन यह हमारे साथ बहुत बड़ी नाइंसाफी होगी। इस बयान से हर भारतीय का मन खट्टा हो गया है। इस बात को लेकर भारत में टेस्ला के ग्राहकों पर भी हो सकता है असर, जिन्होंने उम्मीद रखी थी कि कंपनी भारत में अपनी फैक्ट्री लगाएगी।